बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 95 ● नई दिल्ली ● वीरवार 22 जनवरी 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

सर्दी से बचाव के लिए दिल्ली सरकार अलर्ट, आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों-माताओं को सुरक्षित रखने का निर्देश

नई दिल्ली। राजधानी में कड़ाके की सर्दी के बीच वंचित आबादी की सुरक्षा के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ने सभी 10,897 आंगनबाड़ी केंद्रों को निर्देश दिया कि वे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए गर्म कपड़े सुनिश्चित करें तथा बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उनके लिए भवनों के भीतर ही गतिविधियां कराएं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कड़ाके की सर्दी के मद्देनजर प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में शीतकालीन कार्य योजना का कड़ाई से कार्यान्वयन सुनिश्चित करें और गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं के अलावा बच्चों की सुरक्षा की आवश्यकता पर ध्यान दें।

दिल्ली में भी महिलाओं को मिलेगा मुफ्त सिलेंडर

नई दिल्ली। दिल्ली भी उन राज्यों में शामिल हो गया है, जहां महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर मुहैया कराया जाएगा. दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यकाल का एक साल पूरा होने के पहले ये चुनावी वादा पूरा किया है. दिल्ली सरकार मार्च में होली के त्योहार पर गरीबों को ये गैस सिलेंडर मुहैया कराएगी. बुधवार को कैबिनेट बैठक में इस पर मुहर लगाई गई है. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करा सकती है. सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में सुबह हुई बैठक में दिल्ली कैबिनेट ने इससे जुड़े एक प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी. दिल्ली सरकार होली और दीपावली के त्योहार पर ईडब्ल्यूएस परिवार की महिलाओं को मुफ्त गैस सिलेंडर उपलब्ध कराएगी. इसके अलावा कम आय वाले परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर कराया जाएगा.

चुनावी वादा पूरा किया

दिल्ली विधानसभा चुनाव के पहले बीजेपी के घोषणापत्र का ये हिस्सा था.सूत्रों का कहना है कि राशन कार्ड रखने वाली गरीब परिवारों की

महिलाओं को होली और दीपावली में रसोई गैस सिलेंडर मुफ्त उपलब्ध कराया जाएगा. इस प्रस्ताव पर लगभग 300 करोड़ रुपये का खर्च होने की उम्मीद है.

अटल कैंटीन पहले ही शुरू

बीजेपी सरकार ने अपने कुछ चुनाव वादे पहले ही पूरे कर दिए हैं. इनमें दिल्ली में मोदी सरकार की 5 लाख रुपये का मुफ्त इलाज मुहैया कराने वाली आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना शामिल है.गरीबों वंचितों को सिर्फ पांच रुपये में भोजन उपलब्ध कराने के लिए अटल कैंटीन भी खोल रही है. ऐसी 100 कैंटीन पूरे दिल्ली में खोली जा रही हैं. 25 दिसंबर को अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 50 से ज्यादा अटल कैंटीन की शुरुआत की गई थी.

साल में दो मुफ्त गैस सिलेंडर

इससे पहले उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों में महिलाओं को साल में दो गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाते हैं.

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के जरिये महिलाओं को गैस सिलेंडर पर अतिरिक्त रियायत भी दी जाती है. रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी मुहैया कराई जाती है. मुफ्त गैस सिलेंडर योजना के तहत महिलाएं को सिलेंडर खरीद पर बैंक खाते में पूरी रकम लौटाई जाती है.

SGPC प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर से की मुलाकात, आतिशी के खिलाफ एक्शन की मांग

नई दिल्ली। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के निर्देश पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के एक प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर से मिलकर दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी मार्लेना के खिलाफ गुरुओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करके धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए केस दर्ज करने की मांग की है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सीनियर उपाध्यक्ष रघुजीत सिंह विर्क के नेतृत्व में पुलिस कमिश्नर से मिलने वाले प्रतिनिधि मंडल में जूनियर उपाध्यक्ष बलदेव सिंह कल्याण, अंतरिम सदस्य गुरप्रीत सिंह झब्बर, हरियाणा सिख मिशन इंचार्ज सुखविंदर सिंह और दिल्ली सिख मिशन इंचार्ज मनवीत सिंह शामिल थे। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस कमिश्नर को दी अपनी अर्जी में कहा कि 6 जनवरी को दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने विधानसभा में गुरुओं के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करके सिख भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है। उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द विधानसभा की कार्यवाही में भी दर्ज हैं। पत्र में कहा गया है कि सिख गुरुओं की शिक्षाएं पूरी इंसानियत के लिए मार्गदर्शक हैं। सिख समुदाय ने हमेशा गुरुओं के सिद्धांतों के अनुसार जाति, पंथ, नस्ल और मतभेदों से ऊपर उठकर भाईचारे की बात की है। दिल्ली-कनेता द्वारा गुरुओं के खिलाफ की गई टिप्पणियों से दुनिया भर में रहने वाले सिखों की धार्मिक भावनाओं को बहुत ठेस पहुंची है। ये टिप्पणियां उन्होंने जानबूझकर की हैं, जो सिखों के प्रति उनकी मानसिकता को बताती हैं।

पुलिस कमिश्नर को लिखे गए पत्र में कहा गया कि ऐसे समय में जब भारत समेत पूरी दुनिया में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहीदी शताब्दी मनाई जा रही है और उनके बलिदान को याद किया जा रहा है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोगों के चुने हुए प्रतिनिधि गुरु साहिब के प्रति ऐसी भाषा का इस्तेमाल करें। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कमिश्नर से कनेता आतिशी के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मामला दर्ज करके सख्त कार्रवाई की मांग की, ताकि भविष्य में कोई भी राजनीतिक नेता ऐसा कोई काम न करे जिससे किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे।

पीएम मोदी के अच्छे दोस्त ट्रंप का नया दावा, जयराम रमेश बोले- जबरन गले लगने का नतीजा!

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संबंधों की आलोचना करते हुए कहा कि ट्रंप ने 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए 70 बार दावा किया है। ह्ल पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि एक दिन पहले तक ट्रंप ने ऑपरेशन को रोकने में 68 बार अपनी संलिप्तता का दावा किया था, जो व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के शुरुआती बयान और बाद में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान अचानक बढ़कर 70 हो गया। रमेश ने लिखा कि कल से पहले यह संख्या 68 थी। हालांकि, कल ही यह आंकड़ा 69 तक नहीं पहुंचा, बल्कि सीधे 70 हो गया, व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के शुरुआती बयान और बाद में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ट्रंप को गले लगाने के स्वागत भाव पर भी कटाक्ष किया। रमेश ने आगे कहा, प्रधानमंत्री के अछे दोस्त, जिन्हें प्रधानमंत्री के जबरन गले लगाने का भी कई बार सामना करना पड़ा है, ने इतनी बार दावा किया है कि 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के अचानक और अप्रत्याशित रूप से

रुकने के लिए वे अकेले ही जिम्मेदार थे। यह घटना मंगलवार (स्थानीय समय) को व्हाइट हाउस द्वारा जारी 365 दिनों में 365 जीत नामक दस्तावेज़ के बाद सामने आई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष की उपलब्धियों का वर्णन किया गया है। इस दस्तावेज़ में विश्व मंच पर अमेरिकी नेतृत्व को पुनः स्थापित करना खंड के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने के ट्रम्प के बार-बार किए गए दावे को उनकी प्रमुख सफलताओं में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। बाद में, जब ट्रम्प ने शासन के एक वर्ष पूरे होने पर प्रेस को संबोधित किया, तो उन्होंने अपने दावे को दोहराया। हालांकि, इस बार उन्होंने संघर्ष में गिराए गए विमानों की संख्या सात से बढ़ाकर आठ कर दी। उन्होंने कहा, मैंने 10 महीनों में आठ ऐसे युद्ध समाप्त किए जो समाप्त होने योग्य नहीं थे। पाकिस्तान और भारत। वे सचमुच एक-दूसरे से लड़ रहे थे। आठ विमान गिराए गए। मेरे विचार में वे परमाणु हथियार बनाने वाले थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री यहां थे, और उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने 10 मिलियन लोगों की जान बचाई और शायद इससे भी कहीं अधिक।

सुनिश्चित करें अवैध खनन ना हो... अरावली विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, 100 मीटर नियम पर रोक को रखा बरकरार

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर जारी विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने फिर एक बार महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि यह मुद्दा मात्र तकनीकी नहीं, बल्कि देश के पर्यावरण भविष्य से जुड़ा हुआ है. अदालत ने साफ निर्देश दिया कि अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि ऐसे खनन के परिणाम «अपूर्णीय और दूरगामी» होते हैं, जिन्हें बाद में सुधारना संभव नहीं होता. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी दोहराया कि अरावली की वैज्ञानिक और स्पष्ट परिभाषा तय करने के लिए एक हाई-पावर्ड कमेटी बनाई जाएगी. इस समिति में पर्यावरण, वानिकी, भू-विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों के स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल होंगे. अदालत ने सभी पक्षों, जिसमें एमिकस क्यूरी भी शामिल हैं, से समिति के संभावित सदस्यों के नाम और सुझाव चार हफ्ते

में पेश करने को कहा है. कोर्ट ने अपने उस पुराने फैसले पर लगी रोक को भी बढ़ा दिया है, जिसमें 100 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही अरावली मानने की सिफारिश थी. पर्यावरण मंत्रालय की समिति की इस सिफारिश को अदालत ने पहले ही पुनर्विचार योग्य बताते हुए स्थगित कर दिया था. अदालत का मानना है कि यह मुद्दा संवेदनशील है और इसे जल्दबाजी में तय नहीं किया जा सकता. इसलिए नई विशेषज्ञ समिति तथ्यात्मक और वैज्ञानिक आधार पर नई परिभाषा की सिफारिश देगी. सुनवाई के दौरान एक वकील ने राजस्थान के कई क्षेत्रों में लगातार चल रहे अवैध खनन का मुद्दा उठाया. इस पर न्यायालय ने राजस्थान सरकार के वकील को तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और कहा कि अरावली जैसा पर्यावरणीय क्षेत्र किसी भी प्रकार की लापरवाही का भार नहीं उठा सकता. अदालत ने साथ ही कहा कि अवैध खनन भविष्य की पीढ़ियों के पर्यावरण अधिकारों को सीधे प्रभावित करता है, इसलिए न्यायालय इस पूरे मामले में सभी पहलुओं की गहराई से जांच करेगा. अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले साल दिसंबर में पारित अंतरिम आदेश अगले आदेश तक लागू रहेगा. साथ ही, हस्तक्षेपकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि वे एमिकस क्यूरी से संपर्क कर अपनी टिप्पणियां और रिपोर्ट सौंपें. एमिकस क्यूरी को इन सभी सुझावों को अपनी व्यापक रिपोर्ट में शामिल करने का निर्देश दिया गया है. अब इस मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद होगी, जिसमें समिति गठन और आगे की प्रक्रिया पर अदालत फैसला ले सकती है.

दिल्ली में कई श्रेणियों में घटे अपराध, एक्सटॉर्शन और झपटमारी से अब भी जूझ रही पुलिस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अपराध के मोर्चे पर राहत भरी खबर सामने आई है. दिल्ली पुलिस की ओर से जारी 2023 से 2025 तक के तुलनात्मक आंकड़े बताते हैं कि शहर में अधिकांश संगीन अपराधों में लगातार गिरावट दर्ज की गई है. हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों के मामलों में कमी आई है, वहीं पुलिस की जांच और कार्रवाई की रफ्तार भी तेज हुई है. आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2025 में हत्या के मामलों की संख्या 491 रही, जो 2023 में 506 और 2024 में 504 थी. इसी तरह हत्या के प्रयास के मामले 2024 के 898 से घटकर 2025 में 854 रह गए. लूट की घटनाओं में भी उल्लेखनीय कमी आई है. 2023 में जहां लूट के 1654 मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 1326 पर पहुंच गई. महिला सुरक्षा से जुड़े अपराधों में भी गिरावट का दावा किया गया है. बलात्कार के मामलों में 2023 के 2141 मामलों की तुलना में 2025 में 1901 मामले दर्ज हुए. इसी तरह महिलाओं के खिलाफ छेड़छाड़ या मोलेस्टेशन के मामलों में भी कमी आई है. 2023 में 2345 मामले थे, जबकि 2025 में यह संख्या 1708 रही. दिल्ली पुलिस का दावा है कि वर्ष 2025 में संगीन अपराधों को सुलझाने की दर 95 प्रतिशत से अधिक रही. हत्या के मामलों में सुलझाने की दर 95.32 प्रतिशत, हत्या के प्रयास में 98.13 प्रतिशत, लूट में 97.51 प्रतिशत और बलात्कार में 97.11 प्रतिशत रही. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी नेटवर्क का विस्तार, बीट पुलिसिंग और त्वरित जांच ने इस सुधार में अहम भूमिका निभाई है. हालांकि सभी अपराधों में तस्वीर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है. एक्सटॉर्शन और झपटमारी के मामलों में भले ही कुल घटनाओं में कुछ उतार चढ़ाव रहा हो, लेकिन सुलझाने की दर चिंता का विषय बनी हुई है. एक्सटॉर्शन के मामलों में सुलझाने की दर केवल 63.68 प्रतिशत और झपटमारी में 64.22 प्रतिशत रही है. दिल्ली पुलिस का कहना है कि झपटमारी और एक्सटॉर्शन जैसे अपराधों पर लगाम लगाने के लिए हॉटस्पॉट चिन्हित किए जा रहे हैं, रात्रि गश्त बढ़ाई जा रही है।

बजट सत्र में पेश हो सकता है लागत-अनुरूप प्रावधानों वाला विद्युत संशोधन विधेयक : मनोहर लाल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को कहा कि बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के घाटे को कम करने के लिए लागत-अनुरूप शुल्क की अवधारणा को विद्युत संशोधन विधेयक में शामिल किया गया है। इसे आगामी बजट सत्र में पेश किया जा सकता है। देश में लंबे समय से कर्ज में डूबी और घाटे में चल रही बिजली वितरण कंपनियों की पृष्ठभूमि में लागत-अनुरूप शुल्क का महत्व बढ़ जाता है। अखिल भारतीय बिजली वितरण कंपनियों के संघ (एआईडीए) के पहले वार्षिक सम्मेलन 'ईडीआईसीओएन 2026 को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि बिजली आपूर्ति मूल्य श्रृंखला–उत्पादन, पारेषण एवं वितरण में बिजली वितरण कंपनियां एक अहम कड़ी हैं। विद्युत मंत्री ने कहा कि बिजली वितरण कंपनियां उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष रूप से 'बी2सी (व्यवसाय-से-उपभोक्ता) सेवाएं प्रदान करती हैं और सेवा गुणवत्ता तथा अन्य मुद्दों पर ग्राहकों की शिकायतें सबसे पहले इन्हीं के पास आती हैं।

मनोहर लाल ने कहा, हम बिजली वितरण कंपनियों के घाटे को कम करने के लिए लागत-अनुरूप शुल्क

का प्रावधान ला रहे हैं। इसमें बिजली आपूर्ति से जुड़ी सभी लागतों को शुल्क में शामिल किया जाएगा, जिससे बिजली वितरण कंपनियों के घाटे कम होंगे। यह विधेयक संसद के इस (बजट) सत्र में लाया जा सकता है। इसके सुचारु पारित होने के लिए सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मसौदा राष्ट्रीय विद्युत नीति 2026 में भी बिजली वितरण कंपनियों के घाटे तथा कर्ज को कम करने के लिए लागत-अनुरूप शुल्क का प्रावधान किया गया है। विद्युत मंत्रालय ने हितधारकों से बुधवार को इस पर सुझाव मांगे हैं। मंत्री ने कहा कि लागत-अनुरूप शुल्क से बिजली वितरण कंपनियों को लाभ कमाने में मदद मिलेगी जिसका उपयोग 'क्रॉस-सब्सिडी के लिए किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 'क्रॉस-सब्सिडी नियमों के अनुसार ही दी जानी चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि मसौदे में बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के नुकसान व कर्ज, लागत-अनुरूप न होने वाली दरों तथा अधिक 'क्रॉस-सब्सिडी जैसी समस्याओं से निपटने पर जोर दिया गया है। लागत-अनुरूप न होने वाली दर वह होती है जिसमें किसी उपभोक्ता वर्ग से वसूली गई दर बिजली के उत्पादन, पारेषण एवं वितरण की औसत लागत से कम होती है।

सम्पादक अश्विनी जी....

लोकप्रिय मुख्यमंत्री जो जन-जन से जुड़ी हैं सबके दिलों में बसी हैं, उन्होंने सम्पादक अश्विनी जी को पुण्यतिथि पर आकर सच्ची श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बुजुर्गों से सुख-दुख साझा किये और अपने हाथों से उनको जरूरत का सामान बांटा। बुजुर्गों के लिए सरकार की कई नीतियों और सहायता के बारे में बताया। बहुत से बुजुर्ग उनको अपने बीच में पाकर बहुत खुश थे और उन्हें ढेरों आशीर्वाद दे रहे थे। रेखा गुप्ता ने कईयों को गले से लगाया। रेखा गुप्ता जी ने अश्विनी जी को याद करते हुए इस मौके पर कहा कि कैसे वह उनके कॉलेज समय से लेकर पार्षद बनने तक बड़े भाई की तरह मार्गदर्शन करते थे। उन्होंने यह भी बताया कि अश्विनी जी अपने कर्मचारियों को अपने परिवार की तरह रखते थे। मैं आज भी वहां उन्हें कर्मचारियों को देख रही हूं जो मेरे कॉलेज के समय से थे। जब मैं अपने कॉलेज की खबर लगवाने आती थी वही हरीश चोपड़ा, वही परविन्द्र शारदा, वही तपेन्द्र, वही भूषण जैन को देख रही हूं। पंजाब केसरी जिसको अपना बना लेता है फिर कभी नहीं छोड़ता। इतनी सतर्क मुख्यमंत्री को सुनकर अच्छा लगा। क्योंकि अक्सर सत्ता में आने के बाद और कुर्सी मिलने के बाद लोग अपने पुराने साथियों और मित्रों को भूल जाते हैं। परन्तु उनके यह संस्कार और सभ्यता बता रही थी कि आज भी वही मुख्यमंत्री हैं जो जनता की सेवा के लिए बनी हैं और जिस तरह से उन्होंने बुजुर्गों से आशीर्वाद लिये वो आशीर्वाद तो जरूर लगेंगे और उनका भविष्य और भी उज्वल होगा। स्व. शीला दीक्षित और स्व. सुषमा स्वराज जी के बाद वह तीसरी मुख्यमंत्री बनी, जो युवा, महिला और बड़े-बुजुर्गों के दिलों को छू रही हैं। अश्विनी जी एक नेक इंसान थे, जो हमेशा सबकी मदद के लिए तैयार रहते थे। उनकी पुण्यतिथि पर कोशिश रहती है कि जरूरतमंद लोगों की जितनी मदद की जाए उतनी कम है। उससे वो भी स्वर्ग में बैठे खुश होंगे। ऐसे नेक कार्यों में बहुत से लोग जुड़ते हैं, क्योंकि ऐसे कार्यक्रम का निमंत्रण नहीं होता, सूचना होती है। जो दिल से चाहे वो स्वयं आए अपने हाथों से सेवा करे। क्योंकि जरूरतमंद बुजुर्गों के चेहरे पर जब मुस्कान आती है तो सबको बहुत संतोष मिलता है। इस उम्र में बुजुर्गों को सहारे की बहुत जरूरत होती है। उनको सेहत खराब होती है, आर्थिक रूप से बहुत कमजोर होते हैं, अपने भी साथ छोड़ देते हैं। यह तो वो बुजुर्ग हैं, जिनको कोई पूछने वाला नहीं या जिनके घर में कोई नहीं था। घर के सदस्य हैं तो उन्हें खाने, पहनने के लिए नहीं मिलता या वो लोग हैं जिनके बच्चे हमारे पास आते हैं और कहते हैं कि महंगाई बहुत है, हम अपने माता-पिता को नहीं रख सकते। कोई ओल्ड होम का रास्ता बता दीजिए। कितनी विडम्बना है जिन मां-बाप ने सारी उम्र मेहनत करके उनको पाला, सारी जमा पूंजी भी लगा दी। आज उनके बच्चों के पास उनको खिलाने के लिए रोटी नहीं, दवाई के पैसे नहीं, उनको रखने के लिए उनके पास स्थान नहीं। तो ऐसे लोगों को हर महीने हम आर्थिक सहायता देते हैं। (जो कोरोना के बाद हर तीन महीने की इकट्ठी देते हैं) जो लोगों द्वारा सहायता के रूप में आती है। वो यही नहीं सम्पन्न लोगों द्वारा जरूरतमंद बुजुर्गों को एडोप्ट भी कराया जाता है। एडॉप्शन का मतलब है उनको घर नहीं लेकर जाना, उनकी दवाई और खाने का खर्च दो, ताकि वो अपने बच्चों के साथ रह सकें। एडॉप्शन 1000, 2000, 3000, 5000 महीना एक बुजुर्ग है। किसी ने अपनी क्षमता के अनुसार 1, 2, 10, 50 या 100 बुजुर्ग एडोप्ट किए हुए। ऐसे बूंद-बूंद से घड़ा भरता है। जो लोग इनकी सहायता के लिए आगे आते हैं उनको ढेरों आशीर्वाद मिलते हैं। हमारे पास एक तलवार परिवार जिनकी तीसरी पीढ़ी अपने दादा के साथ मिलकर सहायता करती है। ऐसे बहुत से लोग हैं जो सहायता के लिए आगे आते हैं। इस बार जिन्होंने सहयोग दिया उनका तेहेदिल से धन्यवाद। पानीपत से घृतिका हरजाई, आजादपुर सब्जी मंडी के व्यापारी, रुबीना सैफी, शशि महाजन-कुलदीप सिंह खिड़, रणदीप सिंह चण्डोक, रोटी बैंक के राजकुमार भाटिया, अनय-अनिल चौधरी, अशोक भाटिया, डॉ. सतीश चन्द्रा,लुधियाना से नमिता जयरथ, लुधियाना से राम गौगा, गोल्डी एम एम पाल सिंह, बीकानेर स्वीटस राजौरी गार्डन की चेयरपर्सन चंदा अग्रवाल, मारियो बिस्कुट की चेयरपर्सन निर्मल सिंघला, राजीव कश्यप, ममता-मनोज अरोड़ा, विनिता- एस के गुप्ता, मीना बंसल, ऊषा गुप्ता, पुष्पा गुप्ता, करुणा गोयल, ऊषा गोयल, अनिल भाई चूड़ीवाला, बीनू चौहान, रेखा ग्रोवर, चन्द कुमार तलवार, बजाज, घई, अरोड़ा की तरफ से बहुत आशीर्वाद। परिवार इन सबका तहेदिल से धन्यवाद। जब बुजुर्ग अपनी मनपसंद का खाना खा रहे थे और थैले भर-भर कर सामान लेकर जा रहे थे बहुत ठंडी में कम्बल, स्वैटर, शाल, गर्म पानी की बोतलें, राशन, छड़ियां, दर्द नाशक तेल तो जो उनके चेहरे पर खुशी थी, सुकून था वो देखने लायक था। मुझे लगता है इससे सच्ची श्रद्धांजलि हो ही नहीं सकती। जब अश्विनी जी जीवित थे वह बुजुर्गों को अपने हाथों से बांटते थे। इस बार उनके अनेक रूप थे उनके तीनों बेटे, तीनों बहुएं और दोनों पौत्र उनके रूप में सबकी सेवा कर रहे थे और बांट रहे थे। सबसे भावुक समय था जब उनका पौत्र आर्यवीर और आर्यन ने शुरू से लेकर अंत तक अपने हाथों से खाना खिलाया और अश्विनी जी की भांजी पानीपत से सेवा करने आई। मैं चाहती हूं हर परिवार, हर सम्पन्न परिवार आगे आए और बुजुर्गों की सेवा करके बच्चों में भी संस्कार दें। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सहयोगियों, शाखाध्यक्षों का भरपूर योगदान रहा। सेवा समर्पण दिवस के मौके पर ब्ल्यूकार्डधारी सदस्यों की नेत्र सुरक्षा एवं बी.पी. जांच हुई। तारा संस्थान व डॉ.अशोक ढिंगन की टीमों का विशेष योगदान रहा। जिसमें सैकड़ों सदस्यों ने जांच कराके फ्री दवाईयां व चश्मे लिए। इसके अलावा 9 बुजुर्ग जो मोतियाबिंद से ग्रस्त थे उनका निःशुल्क ऑप्रेशन के लिए चयनित किये गए। सेवा परम धर्म है।

एक्यूआई कहाँ गया

गुप्ता जी मिल गए। नहीं, नहीं सुबह सवेरे सोसाइटी के पार्क में घूमते हुए नहीं, दोपहर को पार्क में धूप का मजा लेते हुए मिल गए। एक्यूआई अभी इतना कम नहीं हुआ है कि सुबह सुबह घूमने निकला जाये। देखते ही बोले, और डॉक्टर, तुम्हारा यह एक्यूआई कहाँ गया। बस अखबार में एक संख्या बन कर रह गया है। कहीं कोई आंदोलन नहीं, कोई सुगबुगाहट तक नहीं। अब तो लोगों ने जिक्र तक करना बंद कर दिया है। सरकार जी को पता है, जनता कुछ नहीं कहेगी, कुछ नहीं करेगी। बस आदत डाल लेगी। ऐसा महंगाई में हुआ, भ्रष्टाचार में हुआ, बेरोजगारी में हुआ। और ऐसा ही अब प्रदूषण में भी होगा। लोग तब बोलेंगे, जब कुछ लोग मरेंगे। गंदे पानी के साथ तो हम जीना ही सीख गए हैं, गुप्ता ने आगे जोड़ा, घर में फ़िल्टर का, आर ओ का पानी पीते हैं और घर से बाहर निकलते हैं तो फट से बोतल खरीद लेते हैं। और जो इतना भी नहीं कर सकते मर जाते हैं। गंदा पानी पी कर सबसे साफ शहर में लोग मर गए तो और शहरों का क्या हाल होता होगा? फिर उस पर प्रश्न पूछो तो हड़का दिये जाते हो। गुप्ता मुझे छेड़ रहा था कि मैं कुछ बोलूं या खुद पर व्यंग्य कर रहा था या सरकार जी पर कुछ समझ नहीं आया। बस बोले जा रहा था। आज वो पक्ष और विपक्ष दोनों भूमिकाओं में दिखाई दे रहा था। डॉक्टर, पिछली गर्मियों में मैं स्विट्जरलैंड गया। यूं ही बस जरा घूमने, गुप्ता अपनी कहानी बताने लगा, जा कर देखा कि कितना पिछड़ा देश है, कितने पिछड़े लोग हैं। जगह जगह पानी की टोंटी लगी है। जहाँ प्यास लगी, टोंटी से मुँह लगाया, पानी पी लिया। हमारे यहाँ तो गरीब से गरीब आदमी भी ऐसे पानी नहीं पीये। घर से बाहर निकले तो शुद्ध पानी की बोतल खरीद कर पीये। अब उसकी सहूलियत के लिए थैलियों में भी शुद्ध, साफ पानी मिलने लगा है। यह जो प्रदूषण है ना, इसका देश की अर्थव्यवस्था में कितना सार्थक योगदान है, सोचो जरा। वाटर फ़िल्टर की, आर ओ की, बोतल वाले पानी की इंडस्ट्री जितनी बड़ी हमारे देश में है, कहीं और हो सकती है भला, गुप्ता जी ने आगे जोड़ा, तुम तो डॉक्टर हो, तुम खुद बताओ, उल्टी दस्त की जितनी दवाइयां, एंटरोक्यूनोल, मेट्रोनिडाजोल, हमारे देश में बनती हैं, बिकती हैं, विश्व में कहीं और बिकती हैं भला। इससे फार्मा इंडस्ट्री को कितना बूम मिलता है। हॉस्पिटल कितना चलते हैं। दवाइयों की बिक्री होती रहे, अस्पताल भरे रहें, इसके लिए प्रदूषण बहुत ही जरूरी है।

यही हाल वायु प्रदूषण का है, गुप्ता जी बोलते ही जा रहे थे, अब देखो हमने भी दो एयर फ़िल्टर खरीद लिए हैं। एक पिछले साल लिया था, इस साल एक और ले लिया है। एक तो बैडरूम में रहता है, रात भर चलता है और दूसरा ड्राइंग डाइनिंग के लिए। दिन में वह चलता है। डॉक्टर, तुम भी एक तो खरीद ही लो। रात को बैडरूम में लगा कर सोओ। नींद भी चैन की आएगी और सुबह गले में खराश भी नहीं होगी। अब यह वायु प्रदूषण नहीं होता तो हम एयर फ़िल्टर खरीदते क्या? एयर फ़िल्टर बनते भी क्या? एयर फिल्टर की इंडस्ट्री भी होती भला। इस इंडस्ट्री को भी वायु प्रदूषण से और बूम मिलेगा। इंडस्ट्री के नाम से ध्यान आया डॉक्टर, हम लोग मिल कर एक फैक्ट्री खोल लेते हैं। बोतल बंद शुद्ध हवा की फैक्ट्री। डॉक्टर ब्रांड बोतल बंद शुद्ध हवा। कश्मीर की वादियों से भरी गई शुद्ध शीतल वायु। वायु अच्छा रहेगा या पवन। एक बार चल गई तो वारे न्यारे हो जायेंगे। और चलेगी क्यों नहीं? बोतल बंद पानी चलेगा, ऐसा किसी ने सोचा था भला। डॉक्टर, तुम खुद बताओ। पहले सर्दियों में अस्पताल खाली पड़े रहते थे। अब बेड नहीं मिलता है। सारे बेड सांस के, दमे के मरीजों से भरे रहते हैं। हार्ट अटैक भी बढ़ गए हैं। अब सर्दियों में जो मेडिकल बूम होता है, फार्मा कम्पनियों की सेल होती है ना, वह एयर पोल्युशन से ही होती है। यह जो पोल्युशन है, जीडीपी बढ़ने का एक साधन है। गुप्ता रुक ही नहीं रहा था तो मैंने उसे रोक कर कहा, गुप्ता, इस प्रदूषण से सिर्फ जीडीपी ही नहीं बढ़ती है, इसके और भी लाभ हैं। इस प्रदूषण से हमारी प्रतिरोध क्षमता बढ़ती है। जल प्रदूषण हमारे पेट पर आक्रमण करता है तो हम बीमार पड़ते हैं। उल्टी दस्त होते हैं। एक बार बीमार पड़ते हैं, दूसरी बार बीमार पड़ते हैं। बार बार बीमार पड़ते हैं तो हमारी बीमारी से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। इससे हमारी आंतें और लीवर मजबूत बनती हैं। और इसी तरह से वायु प्रदूषण से दिल और फेफड़े मजबूत बनते हैं। गुप्ता, तुमने डार्विन की थ्योरी पढ़ी ही होगी ना। अगर पढ़ी है तो समझ सकते हो हमारे देश पर यह पूरी तरह लागू है। जो फिट नहीं है, वह जल प्रदूषण से, वायु प्रदूषण से बच नहीं पाएगा, खत्म हो जायेगा और जो फिट है, आगे जायेगा। इसे ही सर्वाइवल ऑफ़ फिटेस्ट कहते हैं, क्यों गुप्ता समझे कुछ। और हाँ, देख लेना, कुछ पीढ़ियों बाद हम इवोल्व भी हो जायेंगे। हमारा इवोलुशन हो जायेगा। होमो सपियन्स की नई नस्ल पैदा होगी, मजबूत दिल, फेफड़े, लीवर और आंतों के साथ। और वह भारत में ही पैदा होगी। इस बढ़े हुए प्रदूषण के कारण ही पैदा होगी। यही है डार्विन की थ्योरी ऑफ़ इवोलुशन। जिसे हमने स्कूल सिलेबस से तो हटा दिया है पर जी जरूर रहे हैं। यह कहते हुए मैं गुप्ता को भौचक्का छोड़ चला आया।

सम्पादकीय...

भारत-अमीरात के सम्बन्ध

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायेद बिन सुल्तान अल-नाहयान का भारत यात्रा पर आने पर प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जिस प्रकार स्वयं हवाई अड्डे पर पहुंच कर उनकी अगवानी की उसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत दोनों देशों के बीच के आपसी सम्बन्धों को कितनी महत्ता और वरीयता देता है। संयुक्त अरब अमीरात वह मुस्लिम राष्ट्र है जिसके साथ भारत के सम्बन्ध इसके अस्तित्व में आने के बाद से ही बहुत मधुर और प्रगाढ़ रहे हैं और यह देश भी भारत की पश्चिम एशिया व क्षेत्रीय मामलों में भूमिका को बहुत महत्व देता है। शेख साहब की हालांकि यह बहुत संक्षिप्त केवल चार घंटे की ही नई दिल्ली यात्रा थी मगर इसका अन्तर्राष्ट्रीय महत्व वैश्विक सन्दर्भों में बहुत महत्वपूर्ण था। खासकर भारतीय उपमहाद्वीप में पिछले दिनों से सऊदी अरब व पाकिस्तान के बीच जिस प्रकार रक्षा के क्षेत्र से लेकर अन्य मामलों में सम्बन्ध गहरे हुए हैं उन्हें देखते हुए संयुक्त अरब अमीरात के भारत के साथ सम्बन्धों की अलग महत्ता देखी जा रही है। इसके साथ ही पिछले दिनों से सऊदी अरब व अमीरात के सम्बन्धों में एक अन्य अरब राष्ट्र यमन को लेकर तल्खी बनी है लेकिन भारत इनके निरपेक्ष रहकर संयुक्त अरब अमीरात के साथ अपने सम्बन्धों की समीक्षा करता है और आपसी सम्बन्धों में किसी तीसरे देश की भूमिका को नकारता है। हमें दोनों देशों के सम्बन्धों की समीक्षा बदलते विश्व परिदृश्य के मध्य भी करनी होगी क्योंकि पश्चिम एशिया में गाजा संघर्ष को लेकर जिस प्रकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने क्षेत्रीय शान्ति बोर्ड में भारत को आमन्त्रित किया है उसके काफी गहरे मायने देखे जा रहे हैं। भारत का आधिकारिक रुख फिलिस्तीन की स्वतन्त्रता का रहा है मगर इजराइल के साथ भी उसके अच्छे सम्बन्ध हैं अतः पश्चिम एशिया में शान्ति के लिए आवश्यक है कि गाजा मामले में सन्तुलित व्यवहार किया जाये। इसके साथ ही भारत पश्चिम एशिया में संयुक्त अरब अमीरात के बढ़ते प्रभाव व भूमिका को भी नजरअन्दाज नहीं कर सकता है अतः क्षेत्रीय विकास के लिए अमीरात के साथ सम्बन्धों की प्रगाढ़ता भी आवश्यक है। अमीरात ऐसा देश है जो अपने चहुंमुखी विकास के लिए विश्व के विभिन्न स्रोतों का इस्तेमाल करने से नहीं हिचकिचाता है। इस दृष्टि से इस देश में जो भारतीय विकास कार्यों में हाथ बंटाने वहां जाते हैं उनके हितों को भी देखना भारत की सरकार का कर्तव्य है। अतः इस मुस्लिम राष्ट्र में हिन्दू मन्दिर का पिछले वर्षों में बनना बताता है कि अमीरात की सरकार अपने यहां बसे भारतीयों की कितनी कद्र करती है। भारत की केवल चार घंटे की यात्रा पर आये शेख साहब के साथ भारत ने रक्षा क्षेत्र से लेकर व्यापार तक के क्षेत्र में 12 समझौते किये जिससे पता चलता है कि दोनों देशों के सम्बन्ध किस प्रकार विविध क्षेत्रों में लगातार प्रगति कर रहे हैं। अमीरात का दुबई महानगर व्यापारिक गतिविधियों का बहुत बड़ा वैश्विक केन्द्र बनता जा रहा है जिसमें भारत की सहभागिता भी रहती है। फिलहाल दोनों देशों के बीच 100 अरब डॉलर वार्षिक का कारोबार होता है जिसे 2032 तक बढ़ाकर 200 अरब डॉलर करने का लक्ष्य दोनों नेताओं के बीच तय किया गया। इसके साथ ही भारत अमीरात से प्राकृतिक ईंधन गैस का भारी मात्रा में आयात करता है जिसे और बढ़ाने की दिशा में कारगर कदम उठाया गया है।

कहां जा रहे हैं हमारे मुस्लिम विश्वविद्यालय!

विश्वविद्यालय पर आरोप है कि आईडीसी और आईसीसी जैसी आंतरिक समितियां न्याय देने में बार-बार विफल रही हैं और कई मामलों में पीड़ितों के बजाय अपराधियों का पक्ष लिया है। इस संदर्भ में शिक्षा मंत्रालय से एक स्वतंत्र तीन या पांच सदस्यीय जांच समिति गठित करने का आग्रह किया है जिसमें अधिकतर बाहर के सदस्य होने की बात कही गई है ताकि निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके और न्याय प्रक्रिया में विश्वास बहाल किया जा सके। इन परिस्थितियों में कुलपति महोदया को विश्वविद्यालय को बख्शना चाहिए, क्योंकि उनसे बेहतर विकल्प मौजूद है। इसी प्रकार से जामिया मिलिया इस्लामिया विश्विद्यालय में भी आए दिन सांप्रदायिक समस्याएं होती रहती हैं। कई बार यहां पर विद्यार्थियों को दीपावली जैसे पर्व को मनाने की इजाज़त नहीं दी जाती, उनको इसकी बाउंड्री के बाहर दीपावली मनानी पड़ती है, जो भारत की सर्वधर्म के सद्भाव की परंपरा के बिल्कुल विपरीत है, हालांकि किसी भी विश्वविद्यालय का धर्म से कोई लेना-देना नहीं होता, मगर जब इसके परिसर में एक मस्जिद है तो यहां एक मंदिर, गुरुद्वारा और चर्च भी होना चाहिए।

एक समय था कि भारत के मुस्लिम विश्वविद्यालयों की देश, विदेश में जबरदस्त धाक थी, बड़े-बड़े विद्वान व विदुषी, खेलकूद की दुनिया के बड़े नाम, अर्थात जीवन के हर क्षेत्र में भारत का नाम रौशन करने वाले यहां से शिक्षित होकर जाया करते थे। चाहे वह एएमयू (अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी) हो, जामिया मिलिया इस्लामिया हो या उस्मानिया यूनिवर्सिटी हो व मौलाना आज़ाद नैशनल उर्दू यूनिवर्सिटी हो। आज के दौर में इन सभी शिक्षा संस्थाओं का निरंतर पतन हो रहा है। इन संस्थाओं से निकले भारत और विश्व को गौरवान्वित करने वाले कुछ नाम हैं- भारत रत्न डा. ज़ाकिर हुसैन (भारतीय राष्ट्रपति), लियाकत अली खान (प्रथम पाकिस्तानी राष्ट्रपति), एयर वाइस मार्शल अय्यूब खान (पूर्व पाकिस्तानी राष्ट्रपति), पी.वी. नरसिंह राव (पूर्व प्रधानमंत्री), जयपाल रेड्डी (पूर्व मंत्री), आरिफ़ मुहम्मद खान (बिहार राज्यपाल), भारत रत्न खान अब्दुल गफ्फार खान (पख्तून नेता), अनवारा तैमूर (पूर्व असम मुख्यमंत्री), सआदत हसन मंटो, इस्मत चुगताई (उपन्यासकार), जानिसार अख़्तर जावेद अख्तर, शाहरुख खान, रौशन अब्बास (फिल्म जगत), मेजर ध्यान चंद, लाला अमरनाथ, वीरेंद्र सहवाग, ज़फ़र इकबाल (खेल जगत) एस. वाई. कुरैशी (पूर्व इलेक्शन कमिश्नर), डा. ख्वाजा इफ्तेख़ार अहमद (भारतीय अन्तर्धर्म सद्भाव संगठन), अंजना ओम कश्यप (पत्रकारिता), डायना हेडन (पूर्व विश्व सुंदरी) आदि, मगर अब इस प्रकार की हस्तियां कम ही दिखती हैं। हाल ही में एएमयू में कुछ ऐसी घटना घटी जिससे सभी शर्मसार हुए। यहां की एक प्रोफेसर के साथ कथित धार्मिक भेदभाव को लेकर शिक्षा मंत्री को एक पत्र लिखा गया। एक हिंदू प्रोफेसर, रचना कौशल के साथ दशकों तक उत्पीड़न और भेदभाव का आरोप लगाया गया है कि यूनिवर्सिटी के एक वरिष्ठ अकादमिक अधिकारी ने कथित तौर पर उनसे कहा, तुम हिंदू हो, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी जाओ। यह एक ऐसी टिप्पणी है, जो भारत जैसे बहु-धार्मिक, संवैधानिक लोकतंत्र में बेहद सांप्रदायिक और पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इसके लिए केंद्रीय जांच की मांग की गई है और उदासीनता का आरोप भी है, जहां तक राष्ट्रीय भावना को ठेस पहुंचाने की बात है तो आज तक यहां भारत का विभाजन करने वाले मुहम्मद अली जिन्ना का पोर्ट्रेट अभी भी स्थापित है, जिसे 15 अगस्त, 1947 को ही नोच फेंकना चाहिए था। प्रोफेसर कौशल, जो 1998 से एएमयू में पॉलिटिकल साइंस की टीचर हैं और एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त शिक्षाविद हैं, लगातार निराधार आरोपों, धमकियों और संस्थागत दुश्मनी का सामना करती चली आई हैं। पिछले साल सितंबर से वाइस-चांसलर, नईमा गुलरेज खातून से बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई सार्थक या सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है, बल्कि मामले को दबा दिया गया। वर्तमान कुलपति महोदया के कार्यकाल के दौरान यूनिवर्सिटी में तीन जघन्य हत्याएं हुई हैं जिससे छात्रों और कर्मचारियों के बीच डर और असुरक्षा का माहौल बन गया है। ऐसे घटनाक्रम नेतृत्व और शासन की गंभीर विफलता को दर्शाते हैं और संस्थान की अकादमिक और नैतिक स्थिति को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाते हैं, जो इसके संस्थापक सर सैयद अहमद खान के दृष्टिकोण के साथ विश्वासघात है, ऐसे दूषित वातावरण में न्यू एजुकेशन पॉलिसी को कार्यान्वित करना लगभग असंभव है। प्रोफेसर रचना कौशल के मामले में हाल ही में गठित दो सदस्यीय समिति को एक दिखावटी और आंखों में धूल झोंकने वाला कदम माना गया है। विश्वविद्यालय पर आरोप है कि आईडीसी और आईसीसी जैसी आंतरिक समितियां न्याय देने में बार-बार विफल रही हैं और कई मामलों में पीड़ितों के बजाय अपराधियों का पक्ष लिया है। इस संदर्भ में शिक्षा मंत्रालय से एक स्वतंत्र तीन या पांच सदस्यीय जांच समिति गठित करने का आग्रह किया है जिसमें अधिकतर बाहर के सदस्य होने की बात कही गई है ताकि निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके और न्याय प्रक्रिया में विश्वास बहाल किया जा सके। इन परिस्थितियों में कुलपति महोदया को विश्वविद्यालय को बख्शना चाहिए, क्योंकि उनसे बेहतर विकल्प मौजूद है। इसी प्रकार से जामिया मिलिया इस्लामिया विश्विद्यालय में भी आए दिन सांप्रदायिक समस्याएं होती रहती हैं। कई बार यहां पर विद्यार्थियों को दीपावली जैसे पर्व को मनाने की इजाजत नहीं दी जाती, उनको इसकी बाउंड्री के बाहर दीपावली मनानी पड़ती है, जो भारत की सर्वधर्म के सद्भाव की परंपरा के बिल्कुल विपरीत है, हालांकि किसी भी विश्वविद्यालय का धर्म से कोई लेना-देना नहीं होता, मगर जब इसके परिसर में एक मस्जिद है तो यहां एक मंदिर, गुरुद्वारा और चर्च भी होना चाहिए। एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि इसके अल्पसंख्यक स्टेटस के कारण यहां प्रायः गैर मुस्लिमों के दाखिलों के साथ बेईमानी और धांधली की जाती है। इससे यहां वास्तव में अल्पसंख्यक छात्रों के साथ अन्याय है, क्योंकि ये बहुसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों से महरूम रहते हैं, जिसके कारण जहां वे उनसे बहुत कुछ सीख सकते थे उससे वंचित रह जाते हैं। इसके अतिरिक्त यहां के कुलपति ने बिना किसी कारण के या लिल्लाही बुग्ज (बेवजह नफरत) के कारण एंट्री बंद कर रखी है। इनको इस बात का भी डर है कि अंदर आने पर सभी लोग लेखक को यहां की अनियमितताओं के बारे में बताएंगे जो उनकी गद्दी खतरे में पड़ सकती है। जहां तक मानू (मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी) का प्रश्न है, उसमें भी अनियमितताओं की झड़ी सी लगी है। आजकल वहां 200 में से 50 एकड़ भूमि का पचड़ा चल रहा है। मानू में छात्राओं के यौन शोषण और सरकारी फंडों के डकारने की शिकायतें भी होती रही हैं, मगर विश्वविद्यालय के सरकारी दफ्तरों में प्रगाढ़ गिव एंड टेक सम्बन्धों के कारण कोई एक्शन नहीं होता है। इसे तुरंत रुकना चाहिए, वर्ना देश का भविष्य और भावी पीढ़ियां बर्बाद होती रहेंगी।

शांत परिश्रम और संगठनात्मक अनुशासन

भाजपा अध्यक्ष पद से विदा होते हुए भी नड्डा की राजनीतिक यात्रा समाप्त नहीं हुई है। रायसभा में सदन के नेता के रूप में वह अपने अनुभव, वैचारिक निष्ठा और शांत दृढ़ता से पार्टी को दिशा देते रहेंगे, एक ऐसी विरासत, जो दिखावे से नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता से बनी है।

यह एक अनुभवी राजनेता जगत प्रकाश नड्डा के लिए भावुक विदाई है, एक ऐसी विदाई, जो राजनीतिक विडंबनाओं और उपलब्धियों के अनोखे संगम से सजी है। हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत के बाद महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में मिली निर्णायक सफलता ने इस विदाई को राजनीतिक पुनर्स्थापन और संगठनात्मक विजय के पुष्पगुच्छ में बदल दिया।

अस्थिर राजनीति के बीच कार्यकाल – औपचारिक रूप से उनका कार्यकाल संतोष, आत्मविश्वास और शांत गर्व की अनुभूति कराता है। राजनीतिक अस्थिरता के दौर में पार्टी की कमान संभालते हुए उन्होंने न केवल संगठन की वैचारिक जड़ों को मजबूत किया बल्कि भाजपा के चुनावी विस्तार को नए क्षेत्रों तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व में भाजपा ने अपने पारंपरिक गढ़ों को और सुदृढ़ किया, जिससे वह भारत की प्रमुख राजनीतिक शक्ति के रूप में और स्थापित हुई। नड्डा का कार्यकाल शांत परिश्रम, रणनीतिक जमीनी संगठन और वैचारिक अनुशासन के साथ डिजिटल नवाचार के संतुलन के लिए जाना जाएगा। उन्होंने परंपरा और आधुनिकता के बीच सेतु बनाते हुए पार्टी को उसकी मूल हिंदुत्व विचारधारा में दृढ़ रखा और साथ ही डेटा-आधारित, तकनीक-सक्षम चुनावी रणनीति को आगे बढ़ाया। कोविड-19 महामारी के दौरान उनका नेतृत्व विशेष रूप से परखा गया, जब उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को देशव्यापी राहत और सेवा कार्यों के लिए संगठित किया और संकट को जनसंपर्क व सेवा के अवसर में बदला।

मार्गदर्शकों पर आस्था और मोदी-शाह नेतृत्व पर भरोसा – नड्डा अपनी सफलता का श्रेय ईश्वरीय कृपा को देते हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। वह मानते हैं कि अमित शाह द्वारा स्थापित संगठनात्मक मानकों को बनाए रखना उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी थी और उन्होंने उसे निभाने का हरसंभव प्रयास किया। प्रधानमंत्री मोदी की 'असाधारण क्षमता और प्रतिबद्धता' पर उनका अटूट विश्वास है, जो खंडित जनादेश और आक्रामक विपक्ष के बीच भी एन.डी.ए. सरकार को स्थिर दिशा देने में सक्षम है। उन्होंने कहा, ''जनता ने मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया है, जो हर भाजपा अभियान को नई ऊर्जा और अजेय जुझारूपन देता है।'' उनके अनुसार, मोदी के निर्णायक नेतृत्व में लोकसभा, बिहार, महाराष्ट्र और हरियाणा की जीतें, जनता के विश्वास का प्रमाण हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी मित्रता 1990 के दशक की शुरुआत से है, जब दोनों हिमाचल प्रदेश में पार्टी कार्यों के लिए लंब्रेटा स्कूटर पर साथ यात्रा करते थे।

पीढ़ीगत परिवर्तन और आर.एस.एस. के साथ तालमेल – नड्डा को भाजपा में पीढ़ीगत नेतृत्व परिवर्तन पर विशेष गर्व है। कई राज्यों में मौजूदा सांसदों को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाकर पार्टी ने एक नया मानदंड स्थापित किया। उनके अनुसार, यह प्रयोग भाजपा कार्यकर्ताओं की अनुशासनबद्धता और किसी भी चुनौती के लिए तत्परता को दर्शाता है। आर.एस.एस. के साथ तालमेल को वह संगठन की वैचारिक रीढ़ बताते हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी पार्टी को स्थिर रखती है।

प्रचारक से संसद तक – आर.एस.एस. प्रचारक से राज्यसभा में सदन के नेता तक का नड्डा का सफर भाजपा की आदर्श सफलता की कथा है। अनुशासित कार्यशैली, रणनीतिक दृष्टि और वैचारिक दृढ़ता उनके उदय की पहचान रही है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मिली शानदार जीतें उनके संगठनात्मक कौशल का प्रमाण हैं। 2024 में पूर्ण बहुमत न मिलने के बावजूद एन.डी.ए. की सत्ता में वापसी, उनके कार्यकाल में रखी गई मजबूत नींव को दर्शाती है।

हिमाचल की परीक्षा और निष्ठा का उदाहरण । 2017 में हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में आगे होने के बावजूद नड्डा ने कोई लॉबिंग नहीं की। प्रेम कुमार धूमल की हार के बाद भी उन्होंने नेतृत्व पर पूरा भरोसा दिखाया। नड्डा को 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष और 2020 में पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसी कहीं अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई।

विभाजनकारी राजनीति और उत्तर-दक्षिण विमर्श का खंडन – नड्डा उत्तर-दक्षिण विभाजन की कोशिशों की तीखी आलोचना करते हैं। उनके अनुसार, दक्षिण भारत में भाजपा की बढ़ती उपस्थिति ने इस तरह की राजनीति को सिरे से खारिज कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव हारने का दर्द जरूर रहा लेकिन लोकसभा की चारों सीटों पर भाजपा की जीत ने उनकी प्रतिष्ठा बहाल कर दी।

जे.पी. आंदोलन और ए.बी.वी.पी. से मिली वैचारिक दिशा – नड्डा की राजनीतिक यात्रा 1970 के दशक में पटना कॉलेज में जे.पी. आंदोलन से शुरू हुई, जिसने भ्रष्टाचार के खिलाफ राष्ट्रीय चेतना जगाई और इंदिरा गांधी की हार का मार्ग प्रशस्त किया। संघ की पृष्ठभूमि और 1990-91 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ए.बी.वी.पी.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य ने उनकी संगठनात्मक क्षमता को निखारा। अटल बिहारी वाजपेयी, भैरों सिंह शेखावत और लाल कृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं के सान्निध्य में उनका राजनीतिक विकास हुआ।

अध्यक्ष पद से आगे भी जारी सफर – भाजपा अध्यक्ष पद से विदा होते हुए भी नड्डा की राजनीतिक यात्रा समाप्त नहीं हुई है। रायसभा में सदन के नेता के रूप में वह अपने अनुभव, वैचारिक निष्ठा और शांत दृढ़ता से पार्टी को दिशा देते रहेंगे, एक ऐसी विरासत, जो दिखावे से नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता से बनी है।-के.एस. तोमर ।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पैन्थलेना एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2010/...)

पांच दिवसीय 'उदीषा चौपाला साहित्योत्सव' का आज होगा आगाज़

मुरादाबाद।

22 से 26 जनवरी तक गांधी मैदान, बुद्धि विहार, मुरादाबाद में होने वाले उदीषा चौपाला साहित्योत्सव मुरादाबाद का शुभारम्भ गुरूवार को अपरान्ह 1.30 (डेढ़ बजे) होगा। उद्घाटन समारोह में प्रभारी मंत्री अनिल कुमार, मण्डल के सांसदों-विधायकों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। आयुक्त मुरादाबाद मण्डल, मुरादाबाद आन्जनेय कुमार सिंह ने बताया कि ने बताया कि 22 जनवरी को शहर की सांस्कृतिक विरासत और कलात्मक परम्पराओं पर चर्चा, शास्त्रीय और लोकप्रिय सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 23 जनवरी को बसन्त पंचमी के दिन माँ शारदे का वन्दन, विचार, संवाद नाटक का मंचन, गुरुभाव के साथ लोकमयी शाम के कार्यक्रम होंगे। 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस ब'चों एवं जेन जी का साहित्य, मीडिया, भाषाई धरोहर, नौटंकी सुल्ताना डाकू, परम्परा और आधुनिकता के बीच संवाद, सांस्कृतिक संध्या में ऊर्जावान स्त्री-स्वर के कार्यक्रम होंगे। 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस संस्कृति प्रशासन, सिनेमा और विज्ञान जैसे विविध क्षेत्रो पर संवाद, नाटक-कव्वाली - कविता - मुशायरा होगा। 26 जनवरी को गणतंत्र का उत्सव, दास्तानगोई, पारसी मिस्टर, ज्ञान-परम्परा, स्त्री संवेदना, ओटीटी और किताबों पर चर्चा होगी। आयुक्त ने यह भी बताया कि चार मंच दुष्यंत कुमार (15000 कैपेसिटी), रामगंगा लांस (दो हजार कैपिसिटी), जॉन एलिया मंच (250 कैपेसिटी), भिखारी ठाकुर मंच (ओपिन) होंगे। भिखारी ठाकुर मंच के कार्यक्रमों का चलते-चलते आनन्द ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि वीआईपी एवं मीडिया गैलरी होगी। साथ ही साथ पब्लिक रजिस्ट्रेशन कराकर प्रवेश पा सकेंगी। इसका कोई शुल्क नहीं है। फोन के माध्यक से क्यू आर कोड स्कैन करके आसानी से प्रवेश मिल जायेगा। उदीषा चौपाला साहित्योत्सव में दाहिने हाथ पर माँ शारदे का मंडप होगा, जिसमें माँ सरस्वती की भव्य प्रतिमा होगी। इसके बाद पुस्तकों को दान करने का स्थान होगा, जिसमे एक पुस्तक पर पांच रुपये का कूपन मिलेगा। साथ ही साथ लोक नृत्य का दर्शक आगे चलकर आनन्द ले सकेंगे। सरस हॉट में विभिन्न जगाकों के उत्पाद होंगे। साथ ही साथ फूड जोन में जनता की पसंद के व्यंजन होंगे। नीम, करेला और अदरक का हलवा भी खाने को मिल सकेगा। ब'चों के लिये गेम जोम भी बनाया गया है। इस गेम जोन से ब'चे का सर्वांगीण विकास हो सकेगा। प्रवेश करते समय वैदिक गांव के दर्शन होंगे तथा बाहर निकलते समय सुदर्शन पटनायक की सैंड आई का प्रदर्शन देखने को मिल सकेगा। वाद्य यन्त्र बजते हुए मिलेंगे। बड़े प्रोग्राम अन्तरर्राष्ट्रीय साहित्यकार दुष्यन्त कुमार मंच पर होंगे। इस मंच पर होने वाले कार्यक्रमों को पन्द्रह हजार लोग एक साथ देख सकेंगे। उदीषा साहित्योत्सव में इस वर्ष पद्मश्री से सम्मानित, विश्वप्रसिद्ध रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक विशेष आकर्षण होंगे। विश्व के 100 से अधिक देशों में अपनी रेत कला का प्रदर्शन कर चुके सुदर्शन पटनायक मुरादाबाद में पुरी के समुद्र तट की जीवंत अनुभूति प्रस्तुत करेंगे। उनकी रचनाएँ न केवल सौंदर्यबोध का विस्तार करेंगी, बल्कि कला और सामाजिक चेतना के गहरे भाव भी अभिव्यक्त करेंगी।

हिन्दी में कार्य करने पर दिया ज़ोर

मुरादाबाद।

मुरादाबाद मंडल पर अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन पारितोष गौतम के मार्गदर्शन में आज वाणि'य शाखा तथा कार्मिक शाखा के कर्मचारियों हेतु एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 17 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में सहायक कार्मिक अधिकारी सह राजभाषा अधिकारी ज्ञान प्रकाश सिंह चौहान तथा सहायक वाणिज्य प्रबंधक अंकित शर्मा ने सभी कर्मचारियों को राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976 तथा रेलवे में लागू राजभाषा से संबंधित पुरस्कार योजनाओं पर विस्तार से अपना वक्तव्य दिया।

उन्होंने सभी कर्मचारियों को अपना समस्त कार्य हिंदी में करने का निर्देश भी दिया।

स्वयंसेवकों ने एसआईआर को लेकर दूर कीं भ्रांतियां

मुरादाबाद।

चित्रगुप्त इण्टर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के ग्राम मोरा मुस्तकम में आयोजित हो रहे विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस को मतदाता जागरूकता दिवस एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। प्रथम सत्र में एसआईआर विषय को लेकर कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजीव कुमार ने बताया कि एसआईआर का उद्देश्य किसी का वोट हटाना नहीं, बल्कि मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और पारदर्शी बनाना है। इस प्रक्रिया के तहत मृत व्यक्तियों के नाम हटाए जाते हैं, दोहरी प्रविष्टियाँ समाप्त की जाती हैं और पात्र नए मतदाताओं को जोड़ा जाता है। इस अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा गांव में जागरूकता अभियान चलाया गया। स्वयं सेवकों ने घर-घर जाकर एसआईआर को लेकर फैलायी जा रही भ्रामक बातें में न आने एवं अपना वोट बनवाने का आग्रह किया।

द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता विषय पर चर्चा हुई। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के सचिव धवल दीक्षित ने बताया कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता हमारे देश की समृद्धि और विकास की आधारशिला हैं। हमारे देश में अनेक भाषाएँ, धर्म, और संस्कृतियाँ हैं, इसलिए आवश्यक है कि हम अपने कर्तव्यों का पालन करें, जाति, धर्म, और भाषा के भेदभाव को छोड़कर देश के लिए काम करें।

शिक्षा, समझदारी और सहिष्णुता से हम राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों को एकता एवं अखंडता की शपथ भी दिलवाई। संचालन द्वितीय कार्यक्रम अधिकारी डॉ विशेष कुमार शर्मा ने कियाकार्यक्रम को सफल बनाने में अरविंद कुमार,तनिष्क कुमार, हिमांशु सागर, यशराज सिंह, कृष्णा यादव, शिवांश वर्मा,अरमान,अशद शुभ सक्सेना ने सहयोग किया।

सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन पूर्व घोषित तिथियों पर लगाएगी शिविर- रवि प्रकाश दुबे

फतेहपुर।

जिला उद्योग व्यापार मंडल (पंजी0) के प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश दुबे ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि 19 जनवरी 2026 को जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन में प्राप्त आश्वासन के अनुसार ही सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन अपने निर्धारित शिविर पूर्व घोषित तिथियों पर ही आयोजित करेगी। यदि किसी सरकारी संस्था को सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के स्थान पर शिविर आयोजित करना है, तो वह अपने समय को अलग निर्धारित कर सकती है, जिस पर संस्था को न पूर्व में कोई आपत्ति थी और न वर्तमान में है। उन्होंने बताया कि व्यापार मंडल युवा जिलाध्यक्ष गुरमीत सिंह द्वारा सदैव समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया गया, किंतु संबंधित सरकारी संस्था के कुछ सदस्यों द्वारा बार-बार समन्वय में बाधा उत्पन्न की गई। जबकि शिविर की तिथियों एवं समय की समस्त जानकारी रक्तकेंद्र के कर्मचारियों को पूर्व से उपलब्ध रहती है, जिसे संबंधित संस्थाओं को समय रहते अवगत कराना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुरमीत सिंह का तिथि और स्थान को लेकर कभी भी किसी प्रकार का कोई टकराव नहीं रहा है, केवल समय को लेकर असमंजस उत्पन्न किया गया। स्थिति उस समय जटिल हुई जब रक्तकेंद्र के एक कर्मचारी द्वारा सरकारी संस्था के शिविर को निरस्त कर उसे अन्य संस्था से जोड़ने का प्रयास किया गया। इस विषय में युवा जिलाध्यक्ष ने पहले विभागाध्यक्ष से संवाद किया तथा समाधान न होने पर जिलाधिकारी के समक्ष मामला रखा। प्रदेश अध्यक्ष ने दोहराया कि संस्था अपने सभी शिविर पूर्व निर्धारित तिथि एवं स्थान पर ही आयोजित करेगी। यदि कोई अन्य संस्था उसी तिथि एवं स्थान पर शिविर लगाना चाहती है तो वह समय का विस्तार कर आयोजन कर सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि युवा जिलाध्यक्ष गुरमीत सिंह का शिविर 23 जनवरी को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक लोक विहार कॉलोनी में आयोजित होगा। यदि सरकारी संस्था शिविर आयोजित करना चाहती है तो वह अपना समय पृथक कर निर्धारित कर सकती है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इसके पश्चात भी यदि किसी प्रकार की अनावश्यक बाधा उत्पन्न की गई तो रक्तदाता विवश होकर अन्य रक्तकेंद्रों में रक्तदान करने को बाध्य होंगे। वार्ता के दौरान वितरक संघ के नगर अध्यक्ष राम बाबू गुप्ता, वितरक संघ अध्यक्ष प्रकाश सिंह, महामंत्री बद्री विशाल गुप्ता, कोषाध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव, अब्दुल आरिफ तथा युवा उपाध्यक्ष ताजुद्दीन उपस्थित रहे।

कहा-तिथि और स्थान को लेकर कभी भी नहीं रहा कोई टकराव

डायट में कहानी सुनाओ का महासंग्राम, रश्मि-कंचन अव्वल

फतेहपुर।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में कहानी सुनाओ प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक आरती गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। प्रतियोगिता प्राथमिक व उच्च प्राथमिक वर्ग में दो चरणों में आयोजित हुई। विषय पौराणिक एवं सांस्कृतिक आख्यान (स्थानीय संदर्भ) रहा। प्राथमिक वर्ग में रश्मि (प्राचि औंग, मलवां) प्रथम, विपिन त्रिपाठी द्वितीय व सुलभ मिश्र तृतीय रहे। उच्च प्राथमिक वर्ग में कंचन धर्मकांति (यूपीएस बकन्धा, तेलियानी) प्रथम, संजय सिंह द्वितीय व श्रद्धा गौड़ तृतीय स्थान पर रहीं। प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर भेजा जाएगा। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. मनोज कुमार, डॉ. उमाकान्त पांडेय व साधना अग्रहरि ने किया। विजेताओं को प्रमाण पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

छात्राओं ने स्वतंत्रता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर की चर्चा

मुरादाबाद।

महानगर के गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कॉलेज में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के दूसरे चरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका आयोजन समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज परिसर में सामूहिक वंदे मातरम गायन के साथ हुआ। इसमें छात्राओं ने उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ भाग लिया।

छात्राओं ने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा भी की। समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर ममता रानी ने अपने व्याख्यान में वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व, स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को राष्ट्रगीत की पृष्ठभूमि और इसके रचयिता के विचारों से भी अवगत कराया। प्रोफेसर रानी ने कहा कि वंदे मातरम देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है।महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर चारु मेहरोत्रा ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में देशप्रेम, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने छात्राओं से राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्षा प्रोफेसर अपर्णा जोशी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर अंचल गुप्ता ने प्रस्तुत किया। डॉ. अपर्णा तिवारी, डॉ. सीमा रानी और डॉ. मोनिका सिंह ने कार्यक्रम में विशेष सहयोग प्रदान किया। इस आयोजन में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी और उनमें दिखी देशभक्ति की झलक ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। महाविद्यालय प्रशासन ने ऐसे कार्यक्रमों को युवाओं में राष्ट्र के प्रति जागरूकता, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में महत्वपूर्ण बताया।

बहुआ ब्लॉक पंचायत सहायक संगठन के निर्विरोध चुनाव में पंकज राजपूत अध्यक्ष, पूजा महामंत्री निर्वाचित

फतेहपुर।

जिले के बहुआ ब्लॉक में यूपी पंचायत सहायक संगठन की ब्लॉक इकाई का निर्विरोध चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गया। चुनाव अधिकारी एडीओ पंचायत विष्णु वर्मा एवं पर्यवेक्षक सचिव कुलदीप सिंह राठौर की देखरेख में पूरी चुनाव प्रक्रिया कराई गई। निर्विरोध निर्वाचन में पंकज राजपूत को अध्यक्ष और पूजा को महामंत्री चुना गया। वहीं प्रिया मिश्रा को उपाध्यक्ष, योगेंद्र नाथ द्विवेदी को कोषाध्यक्ष, अनुराग कश्यप को सचिव, दुर्गेश को उपसचिव तथा सौरभ राजपूत को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। चुनाव परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में उत्साह देखने को मिला।

सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद चुनाव अधिकारियों ने सभी सातों पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष पंकज राजपूत ने कहा कि संगठन को मजबूत करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। पंचायत सहायकों की समस्याओं के समाधान के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा और पंचायत सहायकों का किसी भी प्रकार का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जरूरत पड़ी तो ब्लॉक से लेकर लखनऊ तक आंदोलन किया जाएगा। कार्यक्रम में मौजूद जिलाध्यक्ष जितेन्द्र ने पंचायत सहायकों से अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने और जनता से जुड़े कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर पंचायत सचिव दीप्ति सिंह, शुभम पाल, हिमांशु सिंह, जितेंद्र दोहरे सहित अतुल राजपूत, पवन कुमार, शुभम पाल, नीरज यादव, शाने रजा, विकास विश्वकर्मा, शिवानी देवी, सिद्धि सिंह, सुप्रिया सिंह, शिवानी पटेल, तनु श्रीवास्तव, पारुल सिंह, शारदा साहू समेत बड़ी संख्या में पंचायत सहायक एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कचहरी में कुत्ते का आतंक, कई लोगों को काटा

मुरादाबाद। कचहरी परिसर में एक आवारा कुत्ते ने अचानक लोगों पर हमला बोल दिया। कलेक्ट्रेट में मौजूद अधिवक्ता, पुलिसकर्मी और आम राहगीर कुत्ते के निशाने पर आ गए। कुछ ही देर में एक के बाद एक कई लोगों को काटते हुए कुत्ते ने पूरे परिसर में अफरा-तफरी मचा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कलेक्ट्रेट परिसर में घूम रहा यह आवारा कुत्ता अचानक आक्रामक हो गया और बिना किसी उकसावे के लोगों पर झपटने लगा। सबसे 'यादा निशाना अधिवक्ताओं को बनाया गया, जो रोज़ाना की तरह अदालत संबंधी कार्यों के लिए परिसर में मौजूद थे। हमले में कई पुलिसकर्मी और वाहन सवार भी घायल हुए। हमले के बाद कलेक्ट्रेट परिसर में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। घायल लोगों को तत्काल जिला अस्पताल और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए गए।

तुर्कमान गेट हिंसा मामला: आरोपी उबैदुल्लाह मिली सशर्त जमानत, माननी होंगी कोर्ट की ये बातें

नई दिल्ली। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने चांदनी महल थाना क्षेत्र के एक मामले में आरोपी मोहम्मद उबैदुल्लाह को नियमित जमानत दे दी है. यह आदेश एडिशनल सेशन जज जोगिंदर प्रकाश नाहर ने सुनाया. मामला एफआईआर संख्या 17/2026 से जुड़ा है, जिसमें भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराएं और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया था. तीस हजारी कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि आरोपी तुर्कमान गेट, दिल्ली का रहने वाला है और घटना स्थल उसके घर से महज 50 मीटर की दूरी पर है. बचाव पक्ष की दलील थी कि आरोपी का घटना में कोई सीधा रोल नहीं है और पुलिस द्वारा जो फोटो पेश की गई है, उसमें आरोपी सिर्फ अपने घर के पास खड़ा दिखाई देता है जो स्वाभाविक है. इसके अलावा, आरोपी के खिलाफ कोई वीडियो सबूत या कॉल डिटेल रिकॉर्ड भी पेश नहीं किया गया जिससे उसकी संलिप्तता साबित हो सके. तीस हजारी कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि आरोपी अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य है. उसके पिता पैरालिसिस से पीड़ित हैं और उनकी देखभाल की पूरी जिम्मेदारी आरोपी पर ही है. आरोपी 8 जनवरी 2026 से न्यायिक हिरासत में था. दिल्ली पुलिस ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि मामला गंभीर धाराओं से जुड़ा है, लेकिन यह भी स्वीकार किया गया कि इस समय आरोपी की पुलिस हिरासत की जरूरत नहीं है. तीस हजारी कोर्ट ने सभी दलीलों को सुनने के बाद यह माना कि जमानत अर्जी इस अदालत में सुनवाई योग्य है और मामले के तथ्यों को देखते हुए आरोपी को जमानत दी जा सकती है. कोर्ट ने साफ किया कि यह आदेश मामले के मेरिट पर कोई राय नहीं है. कोर्ट ने आरोपी को 25 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की एक जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया. तीस हजारी कोर्ट ने आरोपी को जमानत देते हुए कई सख्त शर्तें भी लगाई हैं. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा आरोपी को नियमित रूप से कोर्ट में पेश होना होगा जांच में पूरा सहयोग करना होगा, किसी भी गवाह को प्रभावित नहीं करेगा और बिना अनुमति देश से बाहर नहीं जाएगा. इसके अलावा आरोपी को पीड़ित/शिकायतकर्ता के घर से 50 मीटर के दायरे में जाने से भी रोक दिया गया है.

वायु शक्ति ने किया कमाल, घुटने टेकने पर किया मजबूर

नई दिल्ली।

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बुधवार को आधुनिक युद्ध में वायु शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए संघर्ष क्षेत्रों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में इसकी प्रभावशीलता का उदाहरण दिया। सेंटर फॉर एयरोस्पेस पावर एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज द्वारा दिल्ली में आयोजित 22वें सुब्रतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित करते हुए, उन्होंने त्वरित और निर्णायक परिणाम देने के भारतीय वायु सेना के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड को उजागर किया, जिसमें पाकिस्तान में कुछ ही घंटों में कई लक्ष्यों पर हमला करने की उसकी क्षमता का उल्लेख किया गया। एयर चीफ मार्शल ने कहा सैन्य शक्ति का वह हिस्सा जो सबसे उपयोगी साबित हुआ है, या जिसने अपेक्षित परिणाम दिए हैं, वह है वायु शक्ति। यदि हम एक शक्तिशाली सेना बनना चाहते हैं, तो हमें सैन्य शक्ति के इस हिस्से पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे वह संघर्ष क्षेत्र से लोगों को निकालना हो, चाहे आतंकवादी ढांचे और उनके अपराधियों को ध्वस्त करना हो, या चाहे कुछ ही घंटों में पाकिस्तान में ठिकानों पर हमला करके यह संदेश देना हो कि बहुत हो गया और उन्हें घुटने टेकने पर मजबूर करना हो। यह वायु शक्ति ही

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह की पाकिस्तान को चेतावनी

थी जिसने कमाल किया, और इसे याद रखना होगा। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर सैन्य सटीकता और रणनीतिक संघर्ष समाधान का एक महत्वपूर्ण उदाहरण था। 7 मई, 2025 को शुरू किए गए इस ऑपरेशन का उद्देश्य 22 अप्रैल,

2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान-नियंत्रित क्षेत्रों में आतंकी ढांचे को नष्ट करना था। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के 12-13 लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया, जिनमें जमीन पर चार से पांच एफ-16 और हवा में पांच एफ-16 और जेएफ-17 के साथ-साथ दो जासूसी विमान शामिल थे। इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी में 93वें वायु सेना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वायु सेना प्रमुख (सीएएस) ने कहा कि पांच पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को, जो एफ-16 या पाकिस्तान के गौरव और उसकी वायु सेना की रीढ़ माने जाने वाले चीनी जेएफ-17 हो सकते हैं, लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एलआरएसएएम) एस-400 ट्रायम्फ सुदर्शन चक्र प्रणाली का उपयोग करके मार गिराया गया। हैंगरों में रखरखाव के लिए रखे गए चार से पांच अन्य एफ-16 विमान भी भारतीय वायु सेना की गोलाबारी में नष्ट हो गए। वायु सेना प्रमुख ने यह भी बताया कि भारतीय वायु सेना ने कई पाकिस्तानी हवाई अड्डों को ध्वस्त कर दिया, जिससे रडार, कमांड सेंटर, रनवे, हैंगर और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली (एसएएम) क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वायु सेना की उन्नत लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों ने पाकिस्तान को अपने क्षेत्र में भी एक निश्चित सीमा तक संचालन करने से रोक दिया। सीएएस ने इस ऑपरेशन को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया, जिसमें 300 किलोमीटर से अधिक की सबसे लंबी सफल मिसाइल स्ट्राइक शामिल है, जिसने पाकिस्तान की गतिविधियों को सीमित कर दिया। वायु सेना प्रमुख ने कहा, हमने हाल ही में जो लंबी दूरी की एसएएम मिसाइलें प्राप्त कीं और उन्हें परिचालन में लाया... उनसे हम उनके क्षेत्र के भीतर तक निशाना साध सके। हम यह सुनिश्चित कर सके कि वे अपने क्षेत्र में भी एक निश्चित दूरी तक संचालन करने में असमर्थ रहे। यह 300 किलोमीटर से अधिक की सबसे लंबी मारक क्षमता के रूप में इतिहास में दर्ज होगी। और इसने उनकी गतिविधियों को गंभीर रूप से कम कर दिया।

मनरेगा करोड़ों लोगों के लिए संजीवनी थी, मोदी सरकार ने इसे छीन लिया- कांग्रेस

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने 'विकसित भारत जी राम जी अधिनियम को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा और कहा कि मनरेगा करोड़ों लोगों के लिए संजीवनी बन चुकी थी जिसे सरकार ने खत्म कर दिया। पार्टी के नवगठित प्रकोष्ठ 'रचनात्मक कांग्रेस के प्रमुख और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने यह भी कहा कि कांग्रेस मनरेगा को खत्म करने के सरकार के कदम के खिलाफ अपने अभियान को तेज करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि बृहस्पतिवार को दिल्ली के जवाहर भवन में मनरेगा के विषय पर कार्यक्रम रखा गया है, जिसमें देश के कोने-कोने से मनरेगा से जुड़े लोग भाग लेंगे और आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे। उनके मुताबिक, इस कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी भाग ले सकते हैं। दीक्षित ने कहा, ''मनरेगा को बदलकर भाजपा जो नया अधिनियम लाई है, उसका हम लगातार विरोध कर रहे हैं। मनरेगा योजना कोविड महामारी के समय में करोड़ों लोगों के लिए एक संजीवनी बनी थी। उन्होंने कहा, '' कई संस्थाओं के साथ संवाद और चर्चाओं में एक ही बात निकलकर आई है कि लोगों के अधिकार छीने जा रहे हैं। मोदी सरकार ग्रामीण भारत में रोजगार की पूरी प्रक्रिया को नष्ट कर रही है।

हरियाणा में सीएम विंडो के माध्यम से हो चुका 13 लाख शिकायतों का निपटारा

यमुनानगर।

हरियाणा के यमुनानगर पहुंचे ओएसडी सीएम राकेश संधू का कहना है कि मुख्यमंत्री सीएम विंडो के माध्यम से अब तक 13 लाख शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है। यह कार्यक्रम 2014 में शुरू किया गया था जो लगातार जारी है। सीएम विंडो के माध्यम से आम नागरिक की शिकायतों का समाधान तत्परता से किया जाता है, अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि 30 दिन में प्रत्येक समस्या का समाधान करें। यमुनानगर में मीडिया से बातचीत करते हुए राकेश संधू ने कहा कि अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए है कि वह पुरानी शिकायतों पर भी तत्परता से

कार्रवाई करें। ओएसडी सीएम ने यह भी बताया कि ज्यादातर शिकायतें पुलिस, अर्बन लोकल बॉडीज, पंचायती विभाग की होती हैं जिसके लिए अधिकारी तुरंत कार्रवाई करते है और लोगों को न्याय मिलता है। उन्होंने बताया कि यमुनानगर जिला सीएम विंडो की शिकायत दूर करने में 76 स्कोर लेकर अच्छे स्तर पर है लेकिन हम चाहते हैं यह 80 से ज्यादा हो। ओएसडी सीएम ने यह भी बताया कि सरकार द्वारा मेरी सड़क नामक न्यू ऐप बनाया गया है जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपनी सड़क के बारे में शिकायत कर सकता है। इस तरह से सड़कों के मामले में 16 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने मीडिया से अपील की कि वह जनसंवाद, सीएम विंडो के बारे में और लोगों को जागरूक करें ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को न्याय मिले। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर उपायुक्त कार्यालय और उपमंडल स्तर पर एसडीएम को जन संवाद के माध्यम से शिकायतें दूर करने के लिए अधिकृत किया गया है।

सीजेएम के ट्रांसफर पर अखिलेश का तंज

मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले का खुद संज्ञान लेगा

लखनऊ।

सीओ अनुज चौधरी के खिलाफ एफआईआर के आदेश के बाद संभल के सीजेएम विभांशु सुधीर के ट्रांसफर पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा, मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट इस मामले का खुद संज्ञान लेंगे। मुझे विश्वास है कि देश के बुद्धिजीवी और जज खुद इस मुद्दे पर संज्ञान लेंगे। लखनऊ में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को सपा के सभी सांसदों की मीटिंग बुलाई थी। अखिलेश ने अपने सांसदों से आगामी चुनावी रणनीति और संगठन मजबूत करने की चर्चा की।

हर संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीटों की स्थिति पर चर्चा हुई। इस दौरान अखिलेश यादव ने अपने सांसदों में कहा था कि यह 37 सांसद 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत दिलाएंगे।

सेना का ट्रेनी विमान क्रैश, राहत बचाव कार्य में जुटा प्रशासन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से बड़ी खबर सामने आई है, जहां सेना का एक ट्रेनी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा प्रयागराज के बाहरी इलाके में हुआ बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही सेना और प्रशासन में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विमान प्रशिक्षण उड़ान पर था, तभी तकनीकी कारणों या अन्य परिस्थितियों के चलते वह क्रैश हो गया। हादसे के तुरंत बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया और मौके पर राहत एवं बचाव कार्य के लिए हेलीकॉप्टर भेजे गए हैं। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और सेना की टीमें घटनास्थल की ओर रवाना हो चुकी हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विमान में कितने लोग सवार थे और उनकी स्थिति क्या है। अधिकारियों का कहना है कि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

अविमुक्तेश्वरानंद की चेतावनी- प्रशासन नोटिस वापस लें- वरना एक्शन लूंगा; अफसरों ने पूछा था- शंकराचार्य कैसे लिखा

प्रयागराज।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद विवाद गहराता जा रहा है. जहां इस मामले में सियासत भी शुरू हो गई है, वहीं अब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एके मिश्रा के माध्यम से प्राधिकरण को आठ पन्नों का जवाब भेजा है.

अपने जवाब में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मेला प्राधिकरण के आरोपों को सिरे से नकार दिया और कहा कि वे शंकराचार्य हैं. जवाब में कहा गया है कि ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी ने जीवनकाल में ही उन्हें उत्तराधिकारी नियुक्त किया था. 11 सितंबर 2022 को शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ब्रह्मलीन हुए थे और 12 सितंबर 2022 को वैदिक विधि-विधान के साथ स्वामी

अविमुक्तेश्वरानंद का विधिवत अभिषेक किया गया. सार्वजनिक समारोह में उनका शंकराचार्य पद पर प्रतिष्ठापन किया गया. यह बात सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में भी लाया गया कि अभिषेक पहले ही हो चुका था. 14 अक्टूबर 2022 के आदेश में यह तथ्य दर्ज है. इतना ही नहीं शंकराचार्य पद पर बने रहने को लेकर किसी भी न्यायालय से कोई स्थगन आदेश नहीं है. साथ ही श्रृंगेरी, द्वारका और पुरी पीठ के शंकराचार्यों का समर्थन होने का दावा भी जवाब में किया गया है.

वसीयत को बताया गया वैध

जवाब में भारत धर्म महामंडल द्वारा भी मान्यता का उल्लेख किया गया है और कहा गया है कि ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती की पंजीकृत वसीयत भी वैध है. गुजरात हाईकोर्ट ने वसीयत को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की थी. यह जानकारी नोटिस के जवाब में दी गई है. इतना ही नहीं विरोधी पक्ष के बयानों को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में मानहानि वाद दायर किया गया था, जिसके बाद विरोधी द्वारा दायर आवेदन बाद में वापस लिया गया.

जवाब में प्रयागराज मेला प्राधिकरण के पत्र को अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया गया है. इस प्रशासनिक हस्तक्षेप को असंवैधानिक करार दिया है. मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन और तीसरे पक्ष के बयान को सब-ज्यूडिस बताया गया है. शंकराचार्य पद को लेकर भ्रम फैलने से सामाजिक और प्रतिष्ठा की क्षति का दावा किया गया है. नोटिस के जवाब में यह कहा गया है कि अगर 24 घंटे में अगर मेला प्रशासन ने नोटिस वापस नहीं लेता है तो तो कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट और शंकराचार्य परंपरा व स्वामी जी की छवि धूमिल करने के लिए विधिक कार्यवाही की जाएगी. नोटिस का जवाब प्राधिकरण उपाध्यक्ष को मेल के जरिए भी भेजा गया है.

बीएमसी में शिंदे-बीजेपी को घेरने की तैयारी, पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर बनीं यूबीटी की नेता

मुंबई। मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में शिवसेना (यूबीटी) पार्षदों को नेता चुनी गई हैं। इससे उद्धव ठाकरे के गुट को नगर निकाय के नेतृत्व में एक अनुभवी चेहरा मिल गया है। उनकी नियुक्ति बुधवार (21 जनवरी) को एक संवेदनशील राजनीतिक माहौल में हुई है, जब मुंबई महापौर पद की लड़ाई तेज हो गई है और गठबंधन दबाव में है। समूह नेता के रूप में पेडनेकर बीएमसी के भीतर सभी शिवसेना (यूबीटी) पार्षदों की रणनीति, सदन प्रबंधन और राजनीतिक रुख का समन्वय करेंगी। यह पद उन्हें शासन, वित्त और नीति संबंधी बहसों में उद्धव ठाकरे के खेमे की प्रमुख आवाज बनाता है, और सत्तारूढ़ महायुति (भाजपा-शिवसेना) गठबंधन के साथ किसी भी बातचीत या टकराव में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। महापौर के रूप में उनका पूर्व अनुभव उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं और अधिकारियों के बीच पहचान, प्रशासनिक दक्षता और विश्वसनीयता प्रदान करता है। पेडनेकर की नियुक्ति मुंबई के शक्तिशाली मेयर पद के लिए चल रहे तनावपूर्ण मुकाबले के बीच हुई है। हाल ही में हुए चुनावों में भाजपा-शिव सेना (शिंदे) गठबंधन ने देश के सबसे धनी नगर निकाय पर ठाकरे परिवार के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को समाप्त कर दिया है। भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिव सेना के पास स्पष्ट बहुमत है और उद्धव का गुट विपक्ष में चला गया है। ऐसे में पेडनेकर जैसे अनुभवी नेता का आना, मुंबई नगर निगम पर नियंत्रण खोने के बावजूद, यूबीटी खेमे को एकता और मजबूती का प्रदर्शन करने में मदद करता है। फोन टैपिंग के आरोपों से राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। उनके चुनाव का माहौल शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के आरोपों से और भी संवेदनशील हो गया है। राउत ने भाजपा पर अपने पार्षदों के साथ-साथ एक आलीशान होटल में ठहरे शिवसेना सदस्यों के फोन टैप करने का आरोप लगाया है। राउत के अनुसार, पार्षदों पर लगातार नजर रखी जा रही है और मुंबई के अगले महापौर का चुनाव दिल्ली से तय किया जा रहा है, जिसे वे महाराष्ट्र का अपमान बताते हैं।

अगले 5 साल का भरोसा है एक वोट, सदन में घटती चर्चा की अवधि पर लोकसभा अध्यक्ष ने जताई गहरी चिंता

नई दिल्ली।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि लोग चुनाव में इस उम्मीद के साथ मतदान करते हैं कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि उनकी समस्याओं, मुश्किलों और चुनौतियों को विधायिका तक ले जाएंगे तथा उन्हें हल करने की दिशा में काम करेंगे। बिरला ने यहां 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन और विधायी निकायों के सचिवों के 62वें सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि विधायिका वह मंच है जिसके माध्यम से आखिरी व्यक्ति की आवाज सरकार तक पहुंचती है। उनका कहना था, ''जब कोई नागरिक अपना वोट डालता है, तो वह इस विश्वास के साथ ऐसा करता है कि अगले पांच वर्षों तक उसका चुना हुआ प्रतिनिधि उसके मुद्दों को सदन के सामने रखेगा और समाधान निकलेंगे। न्यायपालिका का उदाहरण देते हुए बिरला ने कहा कि जिस तरह लोग अदालतों पर निष्पक्ष सुनवाई का भरोसा करते हैं, उसी तरह वे विधायिका से भी सकारात्मक सोच और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ काम करने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा, ''अगर प्रतिनिधि सकारात्मक इरादे से मुद्दे उठाते हैं और सार्थक बहस के माध्यम से दिशा देते है, तो निश्चित रूप से विधायिकाओं के माध्यम से परिणाम सामने आएंगे। बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि पीठासीन अधिकारियों और सचिवों के सम्मेलन लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने और उन्हें सार्वजनिक अपेक्षाओं के प्रति अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विधायी बैठकों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि सदनों की कार्यवाही की घटती अवधि पर बार-बार चिंता जताई गई है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाने चाहिए कि राज्य विधायिकाएं सालाना कम से कम 30 दिन बैठें और सकारात्मक, मुद्दे-आधारित चर्चाओं में शामिल हों। अध्यक्ष ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक संस्थानों को लोगों के करीब लाने और उनके कामकाज को विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य के साथ जोड़ने के लिए निरंतर संवाद, नवाचार और सुधारों की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिरला ने लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए उत्तर प्रदेश द्वारा की गई पहलों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विधायिकाओं के भीतर निरंतर चर्चा और संवाद राज्यों को विकास और सुशासन की दिशा में लगातार आगे बढ़ने में मदद करेगा।

जनभागीदारी से और भव्य होगा उत्तर प्रदेश दिवस 2026, अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि- सीएम योगी

लखनऊ।

इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस-2026 को जनोत्सव के रूप में मनाया जाएगा जिसमें प्रदेश के प्रत्येक जनपद की सक्रिय सहभागिता, सांस्कृतिक विविधता और विकास यात्रा प्रदर्शित की जाएगी। 24 से 26 जनवरी तक चलने वाले इस आयोजन में उत्तर प्रदेश की संस्कृति, शिल्प, व्यंजन और विकास की उपलब्धियों को जनभागीदारी के माध्यम से एक ही मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा, यह केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रदेश की पहचान, उपलब्धियों और संभावनाओं को जनसहयोग के साथ प्रदर्शित करने का अवसर है। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं में गरिमा, अनुशासन और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में भारत

सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह उपस्थित रहेंगे, जिससे आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान मिलेगी। राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर मुख्य समारोह आयोजित होगा और इसका सीधा प्रसारण पूरे प्रदेश में किया जाएगा। बयान में कहा गया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 'विकसित भारत@विकसित उत्तर प्रदेश की थीम पर विशेष प्रदर्शनी और शिल्प मेला आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रदेश की विकास यात्रा, नवाचार, बुनियादी ढांचा, उद्योग, कृषि, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस वर्ष 'एक जनपद@एक व्यंजन आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा, जिसमें हर जनपद के पारंपरिक व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्तर प्रदेश दिवस से जोड़ने और लोक, शास्त्रीय एवं समकालीन कला रूपों को मंच प्रदान करने के निर्देश दिए। 24 जनवरी के मुख्य समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा ताकि प्रदेश की सामूहिक उपलब्धियों का सम्मान किया जा सके।